BSES

बिजली चोरी का सुराग देने वालों को मिलेगा इनाम

बिजली की खपत व कार्बन डायऑक्साइड की मात्रा कम करने में भी मिलेगी मदद

- जो भी उपभोक्ता बिजली चोरी का सुराग देगा, उसे मिलेगा सीएफएल
- इस पुरस्कार योजना से बिजली की खपत में **2.5** मिलियन यूनिट की कमी आएगी
- साथ ही, कार्बन डायऑक्साइड की मात्रा में भी सालाना **9000** टन की कमी आएगी

नई दिल्ली, **31** अगस्त, **2007**। बिजली चोरी का सुराग देने वाले उपभोक्ताओं को बीएसईएस अब इनाम देगी। ऐसे लोगों को इनाम के तौर पर सीएफएल दिए जाएंगे। यह पुरस्कार योजना न सिर्फ उपभोक्तओं को बिजली चोरी के बारे में सुराग देने के लिए प्रेरित करेगी, बल्कि इस योजना से दिल्ली में बिजली की खपत को **2.5** मिलियन यूनिट कम करने में मदद मिलेगी। यही नहीं, ये सीएफएल राजधानी के वातावरण को स्वच्छ बनाएंगे, और कार्बन डायऑक्साइड की मात्रा में **9000** टन की कमी लाने में सक्षम होंगे। यह इनाम योजना पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर फिलहाल बीएसईएस राजधानी इलाकों में शुरू की जा रही है। योजना की सफलता को देखते हुए जल्द ही इसे बीवाईपीएल इलाकों में भी लागू किया जाएगा।

इनाम योजना के बारे में बीएसईएस के एक अधिकारी ने कहा कि यदि उपभोक्ता द्वारा बिजली चोरी के बारे में दिया गया सुराग सही निकला, तो हम उसे इनाम देंगे। **3** से **5** किलोवॉट तक की बिजली चोरी पकड़वाने वाले उपभोक्ता को **1** सीएफएल दिया जाएगा, जबकि **5** किलोवॉट से ज्यादा की बिजली चोरी पकड़वाने वाले को **2** सीएफएल दिए जाएंगे।

उपभोक्ता बिजली चोरी के बारे में सुराग बीआरपीएल को **39999777** पर दें। या फिर, **theft.brpl@bsesdelhi.com** पर ईमेल करें। यहां वे अपना संपर्क डिटेल भी बताएं, ताकि इनाम उन तक पहुंचाया जा सके। अधिकारी ने कहा कि हमेशा की तरह, अब भी उपभोक्ता के बारे में सूचना गुप्त रखी जाएगी। उपभोक्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर छापेमारी की जाएगी और बिजली चोरी पकड़े जाने पर उपभोक्ता के घर पर इनाम भेज दिया जाएगा। बीएसईएस **25, 000** सीएफएल इनाम के तौर पर बांटने जा रही है। कंपनी को उम्मीद है कि इस स्कीम के तहत आने वाले दिनों में बिजली चोरी के **10** से **12** हजार मामले पकड़ में आएंगे।

इससे पहले बिजली चोरी के बारे में आम लोगों को जागरूक करने के लिए बीएसईएस ने नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के प्रोफेशनल्स के साथ नुक्कड़ नाटकों का एक अभियान चलाया था। इसके तहत सर्वाधिक बिजली चोरी वाले इलाकों में **150** से अधिक नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया।

हालांकि जुलाई **2002** से बीआरपीएल बिजली चोरी में **22** प्रतिशत की कमी, और बीवाईपीएल **24** प्रतिशत की कमी लाने में कामयाब हुई है, लेकिन दिल्ली में अभी भी **35** प्रतिशत बिजली चोरी हो रही है। बिजली चोरी रोकना व बिजली बचाने को प्रोत्साहन देना बीएसईएस की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999870/ 9312007822**

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999088/ 9350130304**